Seat No_____ No. of Printed Pages:4

[A-26]

SARDAR PATEL UNIVERSITY
S.Y.B.A (EXTRANAL)EXAMINATION (Old Course)
MONDAY,19th July 2021 (Due to COVID-19 Crisis)
10.00 A.M. TO 12.00 P.M.
TRA202 Translation - II

Total Marks:70

પ્ર.૧ ભાવ અને અર્થ ને ધ્યાનમાં લઈ અનુવાદના વિવિધ પ્રકારોની વિગતે ચર્ચા કરો. (૧૮)

અથવા

પ્ર.૧ ટૂંકનોંધ લખો.

(૧)અનુવાદ અને સમૂહ માધ્યમ

(૨) અનુવાદ અને રૂપાંતર

પ્ર.૨(અ)કોઈ પણ દશ શબ્દોના ગુજરાતી અને હિન્દી સમાનાર્થી પર્યાયસૂચક શબ્દો આપો. (૧૦)

1.Absorb 2.Acid 3.Test 4.Blue Print 5.Fake 6.Entertainment

7.Therapy 8.Gambier 9.Immigration 10.Information 11.Lockout 12.Scandal

13.withdrawal 14.Dinner 15.Dissent

(બ)નીચે આપેલા શબ્દસમૂહ તથા સંક્ષિપ્ત-સારનાં ગુજરાતી અને હિન્દી અર્થ આપો.(કોઈપણઆઠ) (૦૮)

1.Birds of a father flock together	2.To keep one's words
3.To build castle in the air	4.To learn a lesson
5.More or less	6.G.P.F
7.OBC	8.I.P.C
9.U.P.S.C	10.UGC
11.To learn by heart	12.To pull together

Q.3 Translate the following paragraph into Gujarati. (17)

India is the seventh-largest country in the world, covering a total area of 3.28 million square kilometres. From the frigid mountain ranges of the Himalayas to the humid forests of Kerala, India has a multitude of climate and weather conditions that span many states and geographic landmarks.

It is common knowledge that a season of a place varies with the latitude, altitude and distance from the sea level. Even the hours of sunlight during the day affects the weather. Indian Meteorological Department follows the international standard of four climatological seasons: summer, winter, monsoon and autumn (post-monsoon). The summer season, in India, begins in March and lasts until the end of May. Monsoon season follows, typically from the

first week of June to the end of September. October to December is considered as Post monsoon season. This is followed by winter, which starts in January and ends in February.

India's coldest season occurs during January and February. Average winter temperatures typically hover around 10-15 °C. The temperature drops even more if one proceeds towards the north and northeast. The summer season starts from March, with average temperatures reaching 32-40 °C.in most interior parts of India. Summer season ends in May and is subsequently followed by the monsoon season. During this season, the southwest summer monsoon sweeps over India. The rains typically recede by the end of September. Post-monsoon season, or autumn, begins right after the rainy season, typically at the beginning of October. North-West India usually experiences no clouds during this season. Autumn ends in November, which marks the beginning of the winter season.

India has a vast and diverse geographical area. Hence, it would be quite difficult to generalize India's weather. Moreover, India's official meteorological department follows the international convention of four seasons – Summer, winter, monsoon and autumn.

OR

Q.3 Translate the following paragraph into Gujarati.

When the word "village" first comes to mind, we imagine a lush green field and unpolluted environment, and this is the exact scenario in Indian villages. They learn to share and care from a very young age, which comes from the concept of joint families. The majority of India's population depends on agriculture, as India is an agricultural country. Agriculture is both practiced as a commercial activity and for self-sustenance. The life in the community is a lot different than the urban lifestyle. The financial conditions of the farmers are not that good, and they do not have access to advanced tools, which makes farming a tough job for them.

People in villages lead a very ordinary life with almost no luxury, but they are happy with their limited resources. The locals live in "kaccha" houses or temporary houses, made up of mud or clay, which has thatched roofs made out of straws or burnt clay tiles. The infrastructure is not that good in the villages; there might be just one or two schools and hospitals in the whole village. The literacy rate in villages is also very less due to this fact.

Though the village lifestyle may seem soothing, there are many back draws of it. For example, the quality of education provided is not that good in the villages, which leads to limited career options. The medical supplies are limited. The primary backlog of the villagers is that most of them have a very rigid mentality where they are very strict about following old traditions and customs. Even the basic amenities are not available to lead a healthy lifestyle. The hygiene and sanitation quality in a village is considerably poor and should be taken care of.

Agriculture and farming are some of the toughest jobs in India because most of them depend on manual labour and persistence. The government should work to make life a bit easy in villages to make it a better place to live in.

प्र .4 निम्नलिखित हिन्दी गद्य खंड का गुजराती में अनुवाद कीजिए| (17)

युवा-वर्ग और उसकी शक्ति-आज का छात्र कल का नागरिक होगा। उसी के सबल कन्धों पर देश के निर्माण और विकास का भार होगा। किसी भी देश के युवक-युवतियाँ उसकी शक्ति का अथाह सागर होते हैं और उनमें उत्साह का अजस्र स्रोत होता है। आवश्यकता इस बात की

है कि उनकी शक्ति का उपयोग सृजनात्मक रूप में किया जाए; अन्यथा वह अपनी शक्ति को तोड़-फोड़ और विध्वंसकारी कार्यों में लगा सकते हैं।

प्रतिदिन समाचार-पत्रों में ऐसी घटनाओं के समाचार प्रकाशित होते रहते हैं। आवश्यक और अनावश्यक माँगों को लेकर उनका आक्रोश बढ़ता ही रहता है। यदि छात्रों की इस शक्ति को सृजनात्मक कार्य में लगा दिया जाए तो देश का कायापलट हो सकता है।

छात्र-असन्तोष के कारण छात्रों के इस असन्तोष के क्या कारण हैं? वे अपनी शक्ति का दुरुपयोग क्यों और किसके लिए कर रहे हैं ये कुछ विचारणीय प्रश्न हैं। इसका प्रथम कारण है-आधुनिक शिक्षा प्रणाली का दोषयुक्त होना। इस शिक्षा-प्रणाली से विद्यार्थी का बौद्धिक विकास नहीं होता तथा यह विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान नहीं कराती; परिणामतः देश में शिक्षित बेरोजगारों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। जब छात्र को यह पता ही है कि अन्ततः उसे बेरोजगार ही भटकना है तो वह अपने अध्ययन के प्रति लापरवाही प्रदर्शित करने लगता है।

विद्यार्थियों पर राजनैतिक दलों के प्रभाव के कारण भी छात्र-असन्तोष पनपता है। कुछ स्वार्थी तथा अवसरवादी राजनीतिज्ञ अपने स्वार्थों के लिए विद्यार्थियों का प्रयोग करते हैं। आज का विद्यार्थी निरुद्यमी तथा आलसी भी हो गया है। वह परिश्रम से कतराता है और येन-केन-प्रकारेण डिग्री प्राप्त करने को उसने अपना लक्ष्य बना लिया है। इसके अतिरिक्त समाज के प्रत्येक वर्ग में फैला हुआ असन्तोष भी विद्यार्थियों के असन्तोष को उभारने का मुख्य कारण है।

राष्ट्र-निर्माण में छात्रों का योगदान आज का विद्यार्थी कल का नागरिक होगा और पूरे देश का भार उसके कन्धों पर ही होगा। इसलिए आज का विद्यार्थी जितना प्रबुद्ध, कुशल, सक्षम और प्रतिभासम्पन्न होगा; देश का भविष्य भी उतना ही उज्ज्वल होगा। इस दृष्टि से विद्यार्थी के कन्धों पर अनेक दायित्व आ जाते हैं, जिनका निर्वाह करते हुए वह राष्ट्र-निर्माण की दिशा में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान कर सकता है।

अथवा

गुरुकुल के पवित्र वातावरण में वैदिक शिक्षा प्राप्त करने का समय अब नहीं रहा। देश में अंग्रेजों के आगमन के बाद से उनकी पाश्चात्य सभ्यता का प्रभाव हमारी संस्कृति के हर क्षेत्र पर पड़ा। जहां एक ओर बड़े शहरों में खोले गये मिशनरी स्कूल तथा उनके बाद इंगलिश माध्यम पब्लिक स्कूलों का बोलबाला रहा, वहीं गांव देहात में सरकारी स्कूल खोलने का जिम्मा सरकार ने उठा लिया। जनसंख्या बढ़ने के साथ-साथ आज शहरों में यह दशा है कि पब्लिक स्कूल गली-गली में दुकानों की तरह खुल गये हैं। किसी भी कालोनी के हर मोड़ पर आपको एक पब्लिक स्कूल का बोर्ड टंगा जरूर नजर आयेगा। इन बोर्डों को देख विदेश से आया कोई भी व्यक्ति एक बारगी यहां के शिक्षा स्तर को लेकर जरूर भ्रमित हो जाएगा।

देश के कुछ नामचीन स्कूलों के नाम लिए जाएं तो वहां पर पढ़ने वालों के सिर गर्व से ऊंचे हो जाते हैं। इन स्कूलों में जहां उच्च कोटि की शिक्षा दी जाती है वहीं बच्चों के व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास पर भी ध्यान दिया जाता है। ऐसे स्कूलों के विद्यार्थी अपने शिक्षकों को इसलिए सम्मान देते हैं, कि उन्होंने जो सबक पढ़ाया वह उन्हें जीवन भर याद रहा या उनके पढ़ाने का तरीका इस प्रकार होता है कि वे उस चीज को जीवन भर याद रख सकेंगे। आज ऐसे शिक्षा संस्थानों की देश में कितनी संख्या है यह बताने की जरूरत नहीं है। ढाई या तीन वर्ष का बच्चा जब नर्सरी स्कूल में भेजा जाता है तो उसके अभिभावक के मन में ढेर सारी आशाएं होती हैं। क्योंकि बच्चे के जीवन की यह पहली सीढ़ी है। अत: नर्सरी व के. जी. क्लास पढ़ाने वाली शिक्षिकाओं को बहुत अहम भूमिका निभानी होती है। इन छोटी कक्षाओं में स्कूल का वातावरण बच्चों के लिए एक सुखद अनुभूति का होना चाहिए।

****